Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Performing Art - First Year, First Semester

2021-2022

Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) (Regular)

	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion) 1- History & development of Indian Music II- Applied Principles of Music	 C1-MMVI-101 C1-MMVI-102	 20+10=30 20+10=30	 70 70	 100 100	 36 36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique I- Demonstration &Viva II- Stage Performance III- Lecture Demonstration	 C2- MMVI-101 C2- MMVI-102 C2- MMVI-103	 20+10=30 20+10=30 20+10=30	 70 70 70	 100 100 100	 36 36 36
	Total			350	500	180

सत्र –2021-2022

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A.*प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *प्रथम वर्ष– प्रथम सेमेस्टर*

गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र

(संगीत का इतिहास एवं विकास / ***History & Development of Music)***

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों का परिचय।
2. मध्यकालीन संगीत का इतिहास एवं विकास ।

इकाई–2

1. भरतकृत नाट्यशास्त्र, नारदकृत नारदीय शिक्षा एवं संगीत मकरन्द का सामान्य परिचय व संगीत से संबधित अध्यायों की विषय सामग्री की जानकारी।
2. जाति की परिभाषा, लक्षण तथा भेद एवं ग्राम की परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–3

1. पुष्टि मार्गीय संगीत (हवेली संगीत), राग ध्यान एवं राग–'रागिनी वर्गीकरण।
2. सारणा चतुष्टयी का अध्ययन तथा शोध प्रविधि की धारणा एवं महत्व।

इकाई–4

1. रविन्द्र संगीत का सामान्य अध्ययन व उसके प्रकार।
2. विष्णु नारायण भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वर लिपि पद्वति की पाश्चात्य स्वर लिपि पद्वति से तुलना ।

इकाई–5

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर, पं. एस. एन. रातंजनकर, पं. राजा भैया पूछवाले, पं. बलवन्त राय भट्ट ''भावरंग'', संगीत शास्त्र विदुषी प्रो. प्रेमलता शर्मा का सांगीतिक योगदान।
2. संगीत सबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।

1. गुरू शिष्य परंपरा एवं संस्थागत शिक्षण
2. वैज्ञानिक उपकरणों की उपयोगिता।
3. संगीत का पुनरूथान।
4. संगीत समसामयिक प्रवृत्तियां।
5. उच्च शिक्षा की अवधारणा एवं उद्वेश्य ।
6. अन्य विषय।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *प्रथम वर्ष– प्रथम सेमेस्टर*

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र

*(संगीत के क्रियात्मक सिंद्धात/**Applied principal of Indian Music)***

समयः– 3 घण्टे | पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय परिचय। (मारूबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भूपाल तोडी, पूर्वी, श्री, पूरिया कल्याण, गुर्जरी तोड़ी)
2. भैरव, तोडी रागागों का विशेष अध्ययन तथा इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. राग रागिनी वर्गीकरण तथा मेल राग वर्गीकरण का तुलनात्मक अध्ययन।
2. घराने का अर्थ एवं महत्व, ख्याल गायन के दिल्ली व पटियाला घरानों की जानकारी।

इकाई–3

1. काकु, कुतुप, वृन्द का शास्त्रीय परिचय। (वृदगान एवं वृदवादन के संदर्भ में)
2. ध्रुपद एवं ख्याल की उत्पत्ति और विकास तथा वाद्य संगीत की गतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई–4

1. छंद और ताल का संबंध एवं दिये हुए पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम में से उपयुक्त राग व ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।
2. ब्रह्म, रूद्र एवं जत ताल का ठेका एवं परिचय।

इकाई–5

1. त्रिताल, एकताल, झपताल को आड, कुआड एवं बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।
2. भारतीय संगीत के लिये आवश्यक कंठ संस्कार की विधि तथा उसकी उपयोगिता।

M.P.A.*प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *प्रथम वर्ष– प्रथम सेमेस्टर*

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Demostration & viva–1

(प्रायोगिक :–1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समयः– 30 मिनिट पूर्णांक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में विलम्बित ख्याल पाठ्यक्रम के राग/मसीतखानी गत।
3. सभी रागों में छोटा ख्याल/रजाखानी गत का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुततीकरण। राग :– मारूबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भूपालतोड़ी, श्री, पूर्वी, पूरियाकल्याण, गुर्जरी तोड़ी।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार उपज सहित व लयकारियों सहित प्रस्तुत करना।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से एक तराना या त्रिवट/चतुरंग का गायकी सहित प्रदर्शन।
6. वाद्य के परीक्षार्थियों हेतु तीनताल से पृथक किन्हीं अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप, तान सहित वादन।
7. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास व राग पहचान।

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Stage Performance–*2*

(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णाक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर विलम्बित एवं मध्य लय की रचना का विस्तृत गायकी/तत्रंकारी सहित प्रदर्शन।

2. परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तत्रंकारी के साथ प्रस्तुति।

3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद या धमार, तराना का प्रदर्शन। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त किसी रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)
Lecture Demostration–*3 (लेक्डेम)*
(प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य)

समयः– 20 मिनिट पूर्णाक :–70

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेशन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी शीर्षक (जैसे – शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य चित्रपट संगीत, म्यूजिक लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्शन कर सकता है) जिससे विद्यार्थीयों का कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्नपत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा लेक्चर डेमोन्सट्रेशन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।

संदर्भ– ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. संगीतान्जली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
9. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
10. भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11. निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12. निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13. तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14. भावरंग लहर – पं. बलवंतराय भट्ट "भावरंग"
15. ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे
16. ग्वालियर – डॉ. अरूण नांगरे
17. ग्वालियर की संगीत परंपरा एवं संस्कृति में तोमर वंश का योगदान – प्रो. (डॉ.) रंजना टोणपे

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Performing Art - First Year, Second Semester

2021-22

Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) (Regular)

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
1. 2.	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion) 1- History & development of Indian Music II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-203 C1-MMVI-204	20+10=30 20+10=30	70 70	100 100	36 36
3. 4.	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique I- Demonstration &Viva II- Stage Performance III- Lecture Demonstration	C2- MMVI-204 C2- MMVI-205 C2- MMVI-206	20+10=30 20+10=30 20+10=30	70 70 70	100 100 100	36 36 36
	Total			350	500	180

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A./ in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *प्रथम वर्ष– द्वितीय सेमेस्टर*

गायन/स्वरवाद्य–प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास / ***History & Development of Music)***

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. वैदिक कालीन संगीत, रामायण कालीन संगीत व महाभारत कालीन संगीत का अध्ययन।
2. मौर्य कालीन तथा गुप्त कालीन संगीत का अध्ययन।

इकाई–2

1. संगीत रत्नाकर एवं बृहददेशी ग्रंथों की विषय सामग्री व ग्रंथों का परिचय।
2. भारतीय संगीत की दो धाराओं गाधंर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देशी का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. मूर्छना की परिभाषा व प्रकार। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट से मूर्च्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति।
2. स्वर प्रस्तार, खण्ड मेरू, नष्ट एवं उदिष्ट विधि का अध्ययन।

इकाई–4

1. भारतीय संगीत में वाद्यों के वर्गीकरण के आधार पर तत् व वितत् वाद्यों का स्पष्टीकरण।
2. निम्नलिखित रागो ंका विवेचनात्मक अध्ययन। अहीर भैरव, देसी, जोग, मधुवती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोडी, नंद, बरैागी भैरव।

इकाई–5

1. स्थाय एवं उनके प्रकार। संगीत में बंदिश का महत्व।
2. उ. जिया माईउद्दीन डागर, राजा नवाब अली, पं. रामचतुर मलिक, उ. बहराम खॉं, पं. भीमसेन जोशी, सतं त्यागराज का जीवन परिचय व सागीतिक योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)प्रथम वर्ष–द्वितीय सेमेस्टर

(गायन/स्वरवाद्य–द्वितीय प्रश्न पत्र)

(संगीत के क्रियात्मक सिंद्वात/Applied principal of Indian Music)

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. पं. भातखण्डे जी द्वारा निर्दिष्ट हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सर्वसाधारण नियम।
2. निम्नलिखित रागांगों का विशेष अध्ययन। कल्याण व बिलावल इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. वैदिक कालीन संगीत के सप्तक का विकास तथा संगीतिक स्वरान्तर।
2. स्वर गुणातंर, स्वर संवाद, षड्ज मध्यम व षडज पंचम भाव से सप्तक की रचना।
3. शिखर, गजझम्पा तालों का परिचय एवं उनकी लयकारियां।

इकाई–3

1. हार्मोनी व मैलोडो का तुलनात्मक अध्ययन।
2. दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग व ताल में चुनकर उसमें निबद्ध करना।

इकाई–4

1. रस की अवधारणा एवं मतांतर तथा स्वर व रस का पारस्परिक संबंध।
2. सौंदर्यशास्त्र –एक विश्लेषण भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।
3. संगीत का सौन्दर्य एवं रस से सम्बंध।

इकाई–5

1. रूद्रवीणा, सितार, सुरबहार, सारंगी, शहनाई वाद्यों की उत्पत्ति और विकास।
2. सेनिया घराने के मुख्य कलाकारों का परिचय।
3. संगीत संबधी निम्नलिखित विषयों पर न्यनूतम 300 शब्दों में निबन्ध।

1. संगीत और अध्यात्य ।
2. संगीत एवं भाव।
3. संगीत का मनोवैज्ञानिक पक्ष।
4. संगीत का अन्य ललित कलाओं से सम्बंध।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित

M.P.A./ in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)प्रथम वर्ष–द्वितीय सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Demostration & Viva– 1

(प्रायोगिक :–1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समयः– 30 मिनिट पूर्णांक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।

2. निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में एक बडा ख्याल या विलम्बित रचना, एक छोटा ख्याल या मध्य लय की रचना विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुत करना। राग : – अहीर भैरव, देसी, जागे, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोड़ी, नंद, बैरागो भैरव।

3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, उपज एवं लयकारी सहित प्रस्तुत करना।

4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक तराना, त्रिवट या चतुरंग अथवा टप्पा या ठुमरी प्रस्तुत करना। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये त्रिताल के अतिरिक्त किन्हीं अन्य दो तालों में विस्तृत तंत्रकारी सहित रचना प्रस्तुत करना।

5. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास एवं राग पहचान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित

M.P.A in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)प्रथम वर्ष– द्वितीय सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Stage Performance– 2

(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णाक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर बडा ख्याल या विलम्बित रचना, छोटा ख्याल या द्रुत लय की रचना को विस्तृत गायकी/तत्रंकारी सहित प्रस्तुतिकरण।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित परीक्षक द्वारा दिये गये पाचं रागों में से एक राग की प्रस्तुति।

3. पीलू, चारूकेशी, मांड रागों मे से किसी एक राग में ठुमरी, टप्पा, भजन अथवा धुन का प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Lecture Demostration–3

(प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य)

समयः– 30 मिनिट   पूर्णाक :–70

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेशन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी शीर्षक (जैसे – शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य चित्रपट संगीत, म्यूजिक लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्शन कर सकता है) जिससे विद्यार्थीयों का कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्नपत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा लेक्चर डेमोन्सट्रेशन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. संगीतान्जली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
9. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
10. भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11. निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12. निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13. तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14. भावरंग लहर – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15. ग्वालियर घराने के वाग्गयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

Master of Performing Art - Second Year, Third Semester

2021-22

Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) (Regular)

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)					
1.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-305	20+10=30	70	100	36
2.	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-306	20+10=30	70	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique					
3.	I- Demonstration &Viva	C2- MMVI-307	20+10=30	70	100	36
4.	II- Stage Performance	C2- MMVI-308	20+10=30	70	100	36
	III- Lecture Demonstration	C2- MMVI-309	20+10=30	70	100	36
	Total			350	500	180

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A.in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष– तृतीय सेमेस्टर

(गायन स्वरवाद्य– प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास/ ***History & Development of Music)***

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. मुगलकाल एवं उत्तर भारतीय संगीत।
2. स्वतन्त्रता के पूर्व एवं स्वतंत्रता के पश्चात् हिन्दुस्तानी संगीत की स्थिति।

इकाई–2

1. भरत तथा शारंगदेव के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।
2. रामामात्य एवं व्यंकटमखी के ग्रंथो का अध्ययन।

इकाई–3

1. प्रबंध की परिभाषा एवं प्रकार। प्रबंध के धातु एवं अंगों का परिचय।
2. पाठ्यक्रम के रागों में बन्दिश, आलाप, तान लेखन। पाठ्यक्रम के रागों का उनके समप्रकृतिक तुलनात्मक अध्ययन। (झिंझोटी), चन्द्रकौंस, नट भरैव, वसंत मुखारी, गारेख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार)

इकाई–4

1. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यत्रों का संगीत मे उपयोग एवं इनसे होने वाले लाभ एवं हानि न्यूनतम 400 शब्दों में विषय पर निबन्ध।
2. दिये गये पद्यांश या वाद्यगत बाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

इकाई–5

1. मध्ययुग में भारतीय संगीत पर विदेशी संगीत के प्रभाव का अध्ययन।
2. स्वर मेल कलानिधि, राग तरंगिणी ग्रंथों का परिचय।
3. विनायक राव पटवर्धन, नारायण राव व्यास, प्रो. एन. राजम्, उस्ताद अमजद अली खॉ, का जीवन परिचय।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*
M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *द्वितीय वर्ष– तृतीय सेमेस्टर*
(गायन स्वरवाद्य– द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिंद्वात/Applied principal of Indian Music)

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. ध्वनि की उत्पत्ति – तरंग, वेग। सांगीतिक ध्वनि एवं असांगीतिक ध्वनि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. मेल राग वर्गीकरण का अध्ययन।

इकाई–2

1. आन्दोलन, कम्पन, डोल, आवृत्ति, अनुनाद, अनुरणन का परिचय।
2. भारतीय संगीत में वृंदगान एवं वृंदवादन।

इकाई–3

1. स्वस्थान नियम एवं आलप्ति के प्रकारों की जानकारी।
2. कर्णनेन्द्रीय की सचित्र जानकारी।

इकाई–4

1. कंठ स्वर संस्थान की सचित्र जानकारी।
2. नाद की संगीत उपयोगिता स्वंयभू स्वर, उपस्वर की विवेचना।

इकाई–5

1. भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों का चिकित्सीय प्रभाव। (संगीत चिकित्सा पद्धति)
2. भारतीय शास्त्रीय संगीत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *द्वितीय वर्ष–तृतीय सेमेस्टर*

Demostration & viva–1

(प्रायोगिक :–1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समयः– 30 मिनिट पूर्णाक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत एवं सभी रागों में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत की रचना (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ) झिंझोटी चन्द्रकौस, नट भैरव,वसंत मुखारी, गारेख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार

2. उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद एवं एक धमार।

3. लयकारी सहित दो तराने गायकी सहित/वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त अन्य 2 तालों में रचना एवं धुन।

4. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास व राग पहचान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

***M.P.A.** प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

***M.P.A in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)** द्वितीय वर्ष–तृतीय सेमेस्टर*

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Stage Performance– 2

(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनिट में बडा ख्याल/मसीतखानी गत का प्रदर्शन।

2. परीक्षक द्वारा दिये गये पॉच रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।

3. ठुमरी–दादरा की प्रस्तुति – (राग तिलंग, खमाज, काफी) वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।

M. P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित
M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष–तृतीय सेमेस्टर
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)
Stage Performance– 2
(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णाक :–70

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेशन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी शीर्षक (जैसे –शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य चित्रपट संगीत, म्यूजिक लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्शन कर सकता है) जिससे विद्यार्थीयों का कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्नपत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा लेक्चर डेमोन्सट्रेशन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. संगीतान्जली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
9. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
10. भारतीय संगीत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11. निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12. निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13. तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14. भावरंग लहर – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15. ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे

Master of Performing Art - Second Year, Fourth Semester

2021-22

Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) (Regular)

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ C.C.E. Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing
	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)					
1.						
2.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-407	20+10=30	70	100	36
	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-408	20+10=30	70	100	36
	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique					
3.	I- Demonstration &Viva	C2- MMVI-410	20+10=30	70	100	36
4.	II- Stage Performance	C2- MMVI-411	20+10=30	70	100	36
	III- Lecture Demonstration	C2- MMVI-412	20+10=30	70	100	36
	Total			350	500	180

M.P.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)द्वितीय वर्ष–चतुर्थ सेमेस्टर

(गायन स्वरवाद्य– प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास/History & Development of Music)

समयः– 3 घण्टे पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. श्रुतियों के विभिन्न माप, प्रमाण श्रुति, उपमहति श्रुति और महति श्रुति का अध्ययन।
2. व्यंकटमखी और अहोबल के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।

इकाई–2

1. ध्रुपद–धमार की उत्पत्ति एवं दरभंगा, डागर, विष्णुपुर ख्याल एवं ठुमरी का विकास।
2. ध्रुपद शैली का ख्याल और वादन की शैलियों पर हुए प्रभाव का अध्ययन।

इकाई–3

1. संगीत पारिजात एवं चर्तुदण्डि प्रकाशिका ग्रंथों का परिचय।
2. मार्ग एवं देशी ताल पद्धति का परिचय।

इकाई–4

1. ताल के दस प्राणों का अध्ययन।
2. कर्नाटक संगीत पद्धति के प्रमुख गीत प्रकारों का अध्ययन एवं कर्नाटक और हिन्दूस्तानी संगीत पद्वति के मिलते–जुलते राग, (स्वर रूप की दृष्टि से)

इकाई–5

1. अष्टछाप के संत कवियों का सांगीतिक योगदान।
2. सांगीतिक योगदानः– पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. कुमार गधंर्व, उस्ताद अब्दुलकरीम खॉ, उस्ताद हाफिज अली खॉ।
3. संगीत संबधी निम्नलिखित विषयों पर न्यनूतम 300 शब्दों में निबन्ध।

1. संगीत गोष्ठियों व सम्मलेन का आयाजेन ।
2. संगीत का सामाजिक पक्ष।
3. रंगमंच में संगीत की भूमिका।
4. लोकप्रिय संगीत पर विदेशी संगीत का प्रभाव।

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*
M.P.A in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर*
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)
गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र
(संगीत के क्रियात्मक सिंद्वात/Applied principal of Indian Music)

समयः– 3 घण्टे   पूर्णांक :–70

इकाई–1

1. रागांग वर्गीकरण के अंतर्गत सारंग कान्हडा भरैव एवं मल्हार रागांगों का अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में बंदिशों की स्वरलिपि, आलाप व तान लिखना तथा पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. थाट राग वर्गीकरण का अध्ययन एवं पाठ्यक्रम रचना के सिद्धांत।
2. गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 एवं कर्नाटक संगीत के 72 मलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आाधार पर एक राग से 484 राग बनाने की विधि।

इकाई–3

1. दिये गये पद्यांश या वाद्य गत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।
2. शोध प्राविधि का सामान्य अध्ययन, एवं भारतीय संगीत में शोध की संभावनाऐं।

इकाई–4

1. आड, कुआड एवं बिआड की उदाहरण सहित व्याख्या।
2. अपने सम समान्तरालीय स्वर सप्तक के गुण एव दोष ।

इकाई–5

1. विश्व संगीत के अंतर्गत तीन देशों– अरब, चीन एवं जापान के संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. भारतीय शास्त्रीय संगीत का विदेशों में प्रचार प्रसार एवं भारतीय संगीत का वैश्वीकरण।

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर*

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Demostration & Viva–1

(प्रायोगिक :–1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समयः– 30 मिनिट पूर्णाक :–70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों मे ंविलम्बित ख्याल एवं छाटे ख्याल/मसीतखानी गत, रजाखानी गत की प्रस्तुति (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ)। कौसी कान्हडा, मेघमल्हार, गौड मल्हार, जागेकौस, मधुकौस, भटियार, जोगिया, कामेल रिषभ आसावरी।

2. उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, लयकारी सहित एवं दो तराने गायकी सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त तीन विभिन्न तालों में रचना या धुन।

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर*

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

Stage Performance–2

(प्रायोगिक :–2 मंच प्रदर्शन)

समयः– 20 मिनिट पूर्णांक :–70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनिट मे बडा ख्याल, मसीतखानी गत का प्रदर्शन।

2. परीक्षक द्वारा दिये गये 5 रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।

3. ठुमरी–दादरा की प्रस्तुति। (पहाडी, शिवरंजनी, किरवाणी में) वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।

M.P.A. *प्रोग्राम (मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट) नियमित*

M.P.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) *द्वितीय वर्ष– चतुर्थ सेमेस्टर*

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य)

***Lecture Demostration** –3 (लेक्डेम)*

(प्रदर्शनात्मक व्याख्यान/परियोजना कार्य)

समयः– 30 मिनिट

पूर्णाक :–70

यह प्रायोगिक लेक्चर डेमोन्सट्रेशन (लेक्डेम) के रूप में होगा जिसमें विद्यार्थी अपनी कला से सम्बन्धित किसी भी शीषक (जैसे – शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, टप्पा, रविन्द्र संगीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक वाद्य चित्रपट संगीत, म्यूजिक लेसन प्लान आदि) पर लेक्चर के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करेगा (पी.पी.टी. के साथ भी प्रदर्शनन कर सकता हैं) जिससे विद्यार्थीयों का कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) और भविष्य में शोध आदि कार्य करने में यह प्रश्नपत्र वैज्ञानिक एवं सहायक सिद्ध होगा लेक्चर डेमोन्सट्रेशन तैयार करने के लिए भिन्न–भिन्न किताबों का अध्ययन करके बुक रिफरेन्स के साथ नोट्स बनाना होगा जिसकी एक प्रति अपने कक्ष अध्यापक के पास जमा करना अनिवार्य है।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
4. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – पं. श्री रामाश्रय झा
5. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
6. वाद्य वर्गीकरण – श्री लालमणि मिश्र
7. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
8. संगीतान्जली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
9. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवागंन
10. भारतीय संगोत का इतिहास – श्री उमेश जोशी
11. निबंध संगीत – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
12. निबंध संगीत – श्री आर. एन. अग्निहोत्री
13. तन्त्री वादन की वादन कला – डॉ. प्रकाश महाडिक
14. भावरंग लहर – पं. बलवंतराय भट्ट ''भावरंग''
15. ग्वालियर घराने के वाग्गेयकार रचनाकार – डॉ. अभय दुबे